प्रद्युम्नचरित्र (फोल्डर नं. ००१८४५)
सोमकीर्ति सूरि विरचित
अनुवादक – बाबु बुद्धमलजी पाटनी, पण्डित नाथुरामजी प्रेमी

मुख्य टाइटल

समर्पण

प्रद्युम्न चरित्र ---------- १-३५०

अनुवादका मंगलाचरण ---------- १

प्रथमः सर्गः ---------- १

द्वितीयः सर्गः ---------- ८

तृतीयः सर्गः ---------- १३

चतुर्थः सर्गः ---------- ३३

पंचमः सर्गः ---------- ५६

षष्टः सर्गः ---------- ७२

सप्तमः सर्गः ---------- १११

अष्टमः सर्गः ---------- १२७

नवमः सर्गः ---------- १५८

दशमः सर्गः ---------- २००

एकादशमः सर्गः ---------- २७३

द्वादशः सर्गः ---------- २८६

त्रयोदशः सर्गः ---------- ३०८

चतुर्दशः सर्गः ---------- ३२१

पंचदशः सर्गः ---------- ३२८

षोडशः सर्गः ---------- ३३७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org